सत्ता के लोभ और तुष्टिकरण की राजनीति ने कराया देश का बंटवारा : भजनलाल शर्मा

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जयपुर में संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लगाए तीखे आरोप

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत का विभाजन किसी मजबूरी का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सत्ता के लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का दुष्परिणाम था। उन्होंने कहा कि विभाजन मानव इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है, जिसमें 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए और निर्दोष हिंदुओं को अमानवीय पीड़ा झेलनी पड़ी। भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, जिस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को बांटा, वह देश को कभी जोड़ नहीं सकती। जो लोग तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति करते आए हैं, उनके कारण ही पाकिस्तान से आने वाली ट्रेनें लाशों से भरी आती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित हिंदुओं को नागरिकता देने की जिम्मेदारी जिन सरकारों पर थी, वे असफल रहीं, यहां तक कि उनकी संपत्ति का मुआवज़ा तक देने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस ऐतिहासिक गलती को सुधारा है और नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा कर पीड़ितों को न्याय दिलाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की, जबकि तब की सत्ता में बैठे लोग केवल राजनीति करते रहे।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने भी कांग्रेस और गांधी परिवार को विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि सत्ता सरदार वल्लभभाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का बंटवारा टल सकता था। उन्होंने कहा कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को सामने लाने और उससे सबक लेने के लिए मनाया जा रहा है

। परनामी ने कहा, पाक से आने वाला हर हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' घोषित कर पीड़ितों की पीड़ा को इतिहास के अंधेरे पन्नों से निकालकर देश के सामने रखने का काम किया है।

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने स्वागत भाषण में बताया कि विभाजन के दौरान 1.5 करोड़ लोग बेघर हुए, 55 हजार महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ हुआ और 10 लाख लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और जगह कम पड़ने के कारण सैकड़ों लोग मुख्यमंत्री को सुनने से वंचित रह गए। मंच संचालन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र राठौड़, कैलाश चौधरी, सौम्या गुर्जर, सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था – देश के विभाजन की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाना और उन पीड़ितों को स्मरण करना, जिन्होंने आजादी की कीमत अपने घर, परिवार और जीवन से चुकाई।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित ''विभाजन विभीषिका'' स्मृति दिवस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

सरकार ने शुरू की ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना''

यह योजना राजस्थान में युवाओं के लिए स्वरोजगार की नई राह बनेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना'' को मंजूरी दी है। यह योजना राज्य मंत्रिमंडल की 23 अगस्त 2025 को हुई बैठक में अनुमोदित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार का मानना है कि युवा शक्ति को यदि उचित संसाधन, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता मिले, तो वे रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इसी सोच को साकार रूप देने के लिए यह योजना तैयार की गई है।

इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।

इस योजना में अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान देने का प्रावधान है। इससे स्वरोजगार की राह में आने वाली वित्तीय बाधाएं काफी हद तक दूर होंगी और युवा नवाचार व व्यवसायिक गुणवत्ता पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। राज्य सरकार ने योजना को समावेशी स्वरूप देते हुए विशेष वर्गों के लिए अतिरिक्त लाभ भी सुनिश्चित किए हैं। महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित उद्यम, और कार्डधारी बुनकर एवं शिल्पकार यदि 1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ रुपये तक का ऋण लेते हैं, तो उन्हें एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिलेगा।

- **इसके तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।**

इसके अलावा ऋण पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी भी सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाएगी, जिससे उद्यम की स्थापना या विस्तार और अधिक सुलभ हो सकेगा।राज्य सरकार का यह प्रयास केवल ऋण और सब्सिडी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश में युवाओं के लिए स्वरोजगार की मजबूत नींव रखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार, युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं, और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं और नीतियां ला रही है। राजस्थान स्किल पॉलिसी, युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना और युवा नीति 2025 जैसे कदम भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भर्तियों और छह लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने का है।विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना निश्चित रूप से प्रदेश में स्वरोजगार को नई गति देगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के विरोध में रविवार को मालवीय नगर मंडल के तत्वावधान में जीटी सेंटर के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विधायक कालीचरण सराफ ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

गहलोत ने जो कार्य 5 साल में नहीं किए, वो भजनलाल ने पौने 2 साल के कार्यकाल में कर दिए : अशोक परनामी

राजनीति मजे के लिए नहीं, जनसेवा के लिए होती है गहलोत साहब : अशोक परनामी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत बताए कि उनके सलाहकार कौन थे, जिन्होंने उन्हें अपने ही युवा नेताओं को नाकारा-निकम्मा बोलने की सलाह दी थी। गहलोत ने पिछले पांच साल सिर्फ कुर्सी की लडाई में और आपसी झगड़ों में निकाल दिए। मैं गहलोत से पूछना चाहता हूं कि वे युवाओं के विरोध में क्यों है? गहलोत साहब, राजनीति मजे के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के लिए होती है और यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बखूबी साबित कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं।

परनामी ने कहा कि गहलोत यह नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत है। भाजपा सरकार संगठन के साथ एकमुखी होकर जनता को विकास की योजनाएं दे रही है। गहलोत अपने तीन बार के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो कार्य नहीं करा सके, वे सभी काम जन-जन के लाडले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 20 माह के ही कार्यकाल में कर दिखाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो कहते है उसे पूरा करते हैं। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में संकल्प पत्र में किए गए वादों में से 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर दिखाया है। भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को ईआरसीपी, यमुना जल समझौते की सौगात दी। बिजली में प्रदेश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। युवाओं को 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गहलोत झूठे वादे करके ही हमेशा सत्ता में आए। उनके पिछले कार्यकाल में पेपरलीक की घटनाओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्रदेश की जनता को उनका जंगल राज याद है, जब प्रदेश महिला अपराध में नम्बर वन, महंगी बिजली में नम्बर वन था। उन्होंने कर्जमाफी का झूठा वादा कर किसानों को लूटा, पेट्रोल-डीजल से जनता की जेब पर डाका डाला। गहलोत के कार्यकाल में प्रदेश भ्रष्टाचार में नम्बर वन था। उन्होंने कहा कि गहलोत को नकारात्मक राजनीति छोड़कर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए और अपने सुझाव भी देने चाहिए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने रविवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा।

- **उन्होंने कहा कि ''गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं। ''**

प्रभारी जोगाराम पटेल ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर । वर्षा प्रभावितों तक जल्द से जल्द राहत पहुँचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। जोगाराम पटेल ने यह बात रविवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। उन्होंने आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजा स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, प्रभावित जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, गिरदावरी और फसल नुकसान के सर्वेक्षण की स्थिति सहित बीमा दावों एवं मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जाए तथा राहत सामग्री एवं चिकित्सकीय सेवाएं शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने फसल हानि एवं पशु हानि का सही आकलन कर प्रभावित किसानों और पशुपालकों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव आज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में सोमवार को बिरला सभागार में प्रदेश के मसालों से जुडे कृषकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं अन्य मसाला हितधारकों के लिए कृषि विपणन विभाग-बोर्ड द्वारा राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 226 करोड रुपए की लागत से हुए 143 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और मानक सुधार जारी : चिकित्सा मंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के नेतृत्व में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों ने प्रदेश की सेहत की तस्वीर बदल दी है। निरामय राजस्थान अभियान, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हीमोडायलिसिस वार्ड और मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना जैसी पहलों के माध्यम से आमजन को बेहतर, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इन योजनाओं के प्रभाव से न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि प्रदेश के दूर-दराज़ और आदिवासी इलाकों में भी बीमारियों का प्रभावी इलाज हो रहा है। निरामय राजस्थान अभियान के तहत हर माह स्वास्थ्य जागरूकता की एक थीम पर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मिशन मधुहारी के तहत टाइप-1 डायबिटीज रोगियों को नि:शुल्क इंसुलिन और ग्लूकोमीटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि मिशन लीवर स्माइल से लीवर रोगों के प्रति जागरूकता और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए स्तनपान प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है, जो नवजात शिशुओं को मां का दूध उपलब्ध कराने में सहायक हैं। किडनी रोगियों के लिए जिला अस्पतालों में हीमोडायलिसिस वार्ड बनाकर डायलिसिस सेवाएं सुलभ की गई हैं। मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर आदर्श ग्रामों का निर्माण किया जा रहा है। स्वस्थ नारी चेतना अभियान के अंतर्गत एचआईवी संक्रमित महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिससे समय पर इलाज की सुविधा मिली है। इन समर्पित प्रयासों से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है और प्रदेशवासी स्वस्थ जीवनशैली की ओर जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी नीतियों ने राजस्थान को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है।

82 प्रतिशत भारतीय ट्रैवलर्स की पसंद हैरिटेज और फेस्टिवल टूरिज्म : ललित के. पंवार

12वां आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । हाल ही में जारी सांस्कृतिक पर्यटन रिपोर्ट बताती है कि 82 प्रतिशत भारतीय पर्यटक हैरिटेज और त्यौहारों के लिए यात्रा करना पसंद करते हैं। पर्यटन वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। अगर हम इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर सकें, तो इस क्षेत्र में लगभग 4 करोड़ रोज़गार सृजित करने की क्षमता है।'' यह बात राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन के पूर्व चेयरमैन, आईएएस, ललित के पंवार ने कैसल कानोता में आयोजित 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन के समापन पर एक सत्र को संबोधित करते हुए कही।

- **कैसल कानोता में पूरे भारत से लगभग 150 हैरिटेज होटेलियर्स शामिल**
- **दो दिनों के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन**
- **इस कन्वेंशन में पहला ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया**

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पर्यटन में उन क्षेत्रों में भी रोज़गार पैदा करने की अनोखी क्षमता है ,जहां अवसर कम हैं, जैसे रेगिस्तानी इलाके। पंवार ने यह भी बताया कि विदेशी पर्यटकों का आगमन अब महामारी से पहले की स्थिति पर पहुंच रहा है, जो उद्योग के सुधार और विकास के लिए अच्छे संकेत हैं।भारत में हैरिटेज टूरिज्म एवं पर्यटन को प्रमोट करने के उदेश्य के साथ आयोजित इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के दो दिवसीय 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग का जयपुर स्थित कैसल कानोता में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय कन्वेंशन के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन, जिसमें पर्यटन एवं हेरिटेज प्रॉपर्टीज के भविष्य और संरक्षण पर चर्चा की गई।

हैरिटेज टूरिज्म के प्रख्यात नाम स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की स्मृति में उनकी बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद ने रविवार को नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को मंडावा ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया। यह पुरस्कार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए दिया गया।

ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड

इस अवसर पर पहली बार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड आईएचएचए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच महाराजा गज सिंह द्वारा नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को प्रदान किया गया।

इस दौरान स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद मंडावा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रणधीर विक्रम सिंह मंडावा का जब निधन हुआ था, तब वे आईएचएचए के अध्यक्ष थे। वे हैरिटेज टूरिज्म के क्षेत्र में प्रख्यात नाम रहे हैं, जिन्हें विश्व पर्यटन में मंडावा और शेखावाटी क्षेत्र को आगे लाने का श्रेय जाता है।

फ्यूचर ऑफ टूरिज्म पर सत्र

कन्वेंशन के दौरान फ्यूचर ऑफ टूरिज्म विषय पर एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा के दौरान राजस्थान के युवा होटेलियर्स पैनल में शामिल हुए। उन्होंने गेस्ट द्वारा किसी जगह की मौखिक रूप से तारीफ (वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी) करने को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव अन्य गेस्ट्स पर भी ज्यादा असरदार होता है।

वहीं, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई नए डिजिटल टूल्स की मदद से अब ऐसी जगहें भी लोगों के सामने आ रही हैं, जो पहले पर्यटकों की नजरों से छुपी हुई थीं। उन्होंने बताया कि आज के समय में किसी भी ब्रांड के लिए ऐसा इन्फ्लुएंसर चुनना जरूरी हो गया है, जो उसकी कहानी को उस भाव के साथ लोगों तक पहुंचा सके, जैसा भाव उस कहानी में छुपा होता है। इस सत्र में एम.के जयदेव सिंह कोटा, अविजीत सिंह रोहेट, भाग्यदित्य सिंह देवगढ़ और मोरमुकुट सिंह कानोता ने हिस्सा लिया।

''रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट'' पर चर्चा

इस दौरान एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्राणा सिंह जामवाल, युवरागी राठौड़, शान भटनागर और देव्यानी भटनागर ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि राजस्थानी पहनावा, पारंपरिक संगीत, स्थानीय व्यंजन और त्योहार न सिर्फ हमारी संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि ये हमें अपनी जड़ों से भी जोड़े रखते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि किसी भी कला या शिल्प को जीवित रखने के लिए उसका इतिहास और उससे जुडी कहानियां जानना और समझना बेहद जरूरी है।

पर्यटन-हॉस्पिटैलिटी उद्योग में जीएसटी के प्रभाव पर चर्चा

भारत 22 सितंबर से एक सरल दो-स्लैब जीएसटी प्रणाली को अपनाने जा रहा है, जिससे पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कन्वेंशन में जीएसटी पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सीए यश धड्डा और सीए चित्रांगदा शेखावत ने होटल व्यापार, हेरिटेज प्रॉपर्टीज और रेस्टोरेंट से संबंधित जीएसटी नियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कन्वेंशन में होटेलियर्स और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े उपस्थित लोगों की विभिन्न भ्रांतियों का समाधान करते हुए उन्हें विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

होर्स सफारी एंड रुरल टूरिज्म पर चर्चा

इस पैनल चर्चा में मल्लिका सिंह डुंडलोद, रघुवेंद्र सिंह डुंडलोद, ओलिवर सिंक्लेयर, महिराज सिंह चनौद और अंगद देव मंडावा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार होर्स सफारी ग्रामीण समुदायों का समर्थन करते हुए स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देती है। उन्होंने मारवाड़ी घोड़ों के सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये स्वस्थ और उत्कृष्ट घोड़े अब खेलों का भी हिस्सा हैं, जिससे वे ऑथेंटिक और रिस्पॉन्सिबल एक्सपीरियंस चाहने वाले यात्रियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गए हैं।इसके अतिरिक्त, नरेश अरोड़ा द्वारा मार्केटिंग पर; यदुवीर बेरा द्वारा बेरा जैकेट्स पर और भारत सिंह द्वारा ओल्ड सिटी ऑफ जयपुर विषय पर रोचक टॉक्स आयोजित हुए। कार्यक्रम का समापन के आईएचएचए के संयुक्त सचिव, पृथ्वी सिंह कानोता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बजरंग दल चलाएगा देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान

जयपुर। युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत को गंभीर चिंता का विषय मानते हुए बजरंग दल ने देशभर में नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की घोषणा की है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, जिसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं और संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह अभियान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के युवा संगठन बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। इसके तहत साप्ताहिक बैठकों में यह तय किया जाएगा कि अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों, युवाओं और प्रशासन के साथ समन्वय कैसे बढ़ाया जाए। नीरज दौनेरिया ने कहा कि देश के अधिकांश प्रमुख मंदिरों का नियंत्रण सरकार के पास है, जबकि विहिप का मानना है कि मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के लोगों द्वारा किया जाना चाहिए तथा मंदिरों की आय केवल हिंदू समाज के हितों में खर्च की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विषय पर आगामी बैठकों में ठोस रणनीति बनाई जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर देशभर के मुख्यमंत्रियों, विधायकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। साथ ही जनजागरण अभियान, सम्मेलन और जनसभाएं भी आयोजित की जाएंगी।

- **स्कूल-कॉलेजों और समाज में होंगे जागरूकता कार्यक्रम**